बिजली सप्लाई की क्वालिटी नापने का उपकरण

देश के बिजली उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज, बिजली कटौती, बार-बार बिजली जाने जैसी समस्याओं का सामना लगातार करना पड़ता है। ये सब मिलकर ही तो बिजली सप्लाई की क्वालिटी दर्शाते हैं। मगर अभी उपभोक्ताओं के पास इस बात का कोई प्रमाण नहीं होता कि उन्हें जो बिजली मिल रही है, उसकी क्वालिटी घटिया है। प्रमाण के अभाव में वे बिजली कंपनी को जवाबदेह नहीं ठहरा पाते। और, घटिया क्वालिटी की सप्लाई के चलते उन्हें तमाम किस्म के उपकरणों में पैसा खर्च करना पड़ता है - जैसे वोल्टेज स्टेबिलाइज़र, इन्वर्टर वगैरह।

अब पुणे स्थित प्रयास ऊर्जा समूह ने टेक्नॉलॉजी में नवाचार करके बिजली सप्लाई की क्वालिटी के सतत आकलन के लिए एक उपकरण तैयार किया है। इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई मॉनीटर (ESM) क्वालिटी के सतत निरीक्षण के इस अभाव की पूर्ति करेगा। यह उपकरण इंटरनेट आधारित अधुनातन टेक्नॉलॉजी है। इसे किसी भी साधारण पॉवर सप्लाई प्लग में लगाया जा सकता है। इसमें एक वोल्टेज रिकॉर्डर है और एक मोडेम है। ESM हर मिनट वोल्टेज रिकॉर्ड करता है और मोडेम के ज़रिए उसे एक केंद्रीय सर्वर को भेज देता है। सर्वर पर इन आंकड़ों का विश्लेषण करके बिजली सप्लाई क्वालिटी का नक्शा तैयार किया जाता है जो सबके अवलोकन के लिए उपलब्ध रहता है।

फिलहाल यह उपकरण 8 राज्यों में 60 स्थानों पर लगाया गया है। इनमें चार महानगर भी शामिल हैं। अगले कुछ महीनों में ऐसे उपकरण चंद सैकड़ा अन्य जगहों पर लगाने की योजना है।

आप इसके आंकड़े और बिजली सप्लाई की क्वालिटी सम्बंधी जानकारी watchyourpower.org पर देख सकते हैं। इस जानकारी के आधार पर बिजली क्षेत्र के विभिन्न कर्ता-धर्ता, नीतिकारों और नियामक संस्थाओं को बिजली सप्लाई की क्वालिटी सम्बंधी प्रमाण-आधारित फीडबैक प्राप्त हो सकेगा, जिसका उपयोग वे हालात को सुधारने तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों की प्रभाविता को बेहतर बनाने में कर सकेंगे। इससे विद्युत वितरण कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई मॉनीटरिंग पहल को 2013 गूगल इम्पैक्ट चैलेंज में अंतिम दौर के लिए चुना गया था। यह पुरस्कार उन गैर सरकारी संगठनों को दिया जाता है जो टेक्नॉलॉजी का उपयोग सामाजिक असर पैदा करने के लिए करने को आगे आते हैं। इस उपकरण के बारे में और जानकारी के लिए देखें: esmi@prayaspune.org। ***(स्रोत फीचर्स)***